

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 अक्टूबर, 2023

रीजनल रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम (RRTS)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में रीजनल रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम (RRTS) के पहले चरण का उद्घाटन किया, जिसे नमो भारत भी कहा जाता है, यह क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिये समर्पित भारत का पहला मास रैपिड सिस्टम है।

- RRTS 180 कमी./घंटा तक की गतिसे चलने में सक्षम है।
- रेल मंत्रालय ने वर्ष 1998-1999 में इस प्रकार के परिवहन नेटवर्क के निर्माण के संबंध में एक अध्ययन किया था, वह RRTS के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित करने वाला पहला अध्ययन था। वर्ष 2006 में कुछ NCR शहरों में दिल्ली मेट्रो लाइनों के वसितार के साथ इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार किया गया था।

RRTS राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के भीतर मौजूदा परिवहन केंद्रों पर मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के अतिरिक्त विभिन्न तरीकों से परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव करने पर केंद्रित है।

FASTER THAN METROS, MORE FREQUENT THAN TRAINS



180 km/hr
DESIGN SPEED

160 km/hr
OPERATION SPEED

100 km/hr
AVERAGE SPEED



Praveen Khanna

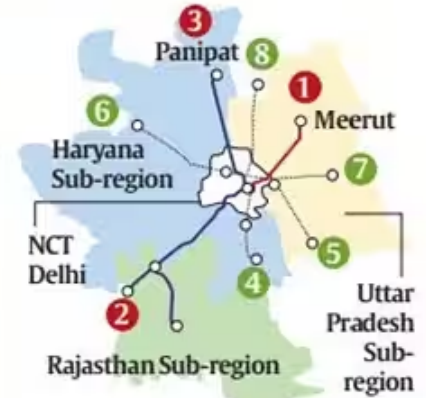


60 Min

TIME TO TRAVEL 100KM

CORRIDORS- UNDER RRTS PHASE I

- 1 Delhi – Ghaziabad – Meerut Corridor
- 2 Delhi – Gurugram – SNB – Alwar Corridor
- 3 Delhi – Panipat Corridor



— RRTS Phase-I --- RRTS Phase-II

OTHER CORRIDORS

- 4 Delhi – Faridabad – Ballabhgarh – Palwal
- 5 Ghaziabad – Khurja
- 6 Delhi – Bahadurgarh – Rohtak
- 7 Ghaziabad – Hapur
- 8 Delhi – Shahadra – Baraut

और पढ़ें... [पीएम गति शक्ति योजना](#), [डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर](#)

महसा अमीनी यूरोपीय संघ के शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार से सम्मानित

वर्ष 2022 में ईरान में पुलिस हथियारों से मरने वाली 22 वर्षीय कुर्द-ईरानी महिला महसा अमीनी को यूरोपीय संघ के शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसने ईरान की रूढ़िवादी इस्लामी धर्मतंत्र के खिलाफ समग्र विश्व में वरिध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

- कथित तौर पर ईरान के हेडक्वार्टर के अनविषय कानून की अवज्ञा करने के आरोप में गरिफ्तार किये जाने के बाद अमीनी की मृत्यु हो गई। इसके चलते महिलाओं के नेतृत्व में एक आंदोलन शुरू हुआ तथा विश्व "वुमेन, लाइफ, लिबर्टी" (Women, Life, Liberty) के नारों से गुँज उठा।
 - इस वर्ष (2023) इस पुरस्कार के दावेदारों में वलिमा नुनेज डी एसकोर्सिया और रोमन कैथोलिक बिशप रोलैंडो अल्वारेज़ शामिल थे जिन्होंने नकारागुआ में मानवाधिकारों की रक्षा के लिये संघर्ष किया था। इनके अलावा पोलैंड, अल सलवाडोर और संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन महिलाएँ भी शामिल थीं जो "नशुल्क, सुरक्षा और कानूनी गर्भपात" के लिये लड़ाई का नेतृत्व कर रही हैं।
- यूरोपीय संघ पुरस्कार, जिसका नाम सोवियत डिसीडेंट आंद्रेई सखारोव के नाम पर रखा गया था, वर्ष 1988 में मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले व्यक्तियों अथवा समूहों को सम्मानित करने के लिये स्थापित किया गया था। नोबेल शांति पुरस्कार विजिता सखारोव का नधिन वर्ष 1989 में हुआ।
- वगित वर्ष का पुरस्कार यूक्रेन के लोगों तथा उनके प्रतिनिधियों को जारी युद्ध के दौरान उनकी बहादुरी एवं रूस के आक्रमण के प्रतिरोध के लिये दिया गया था।

और पढ़ें... [विश्व मानवाधिकार दविस, मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-21-october-2023>

